



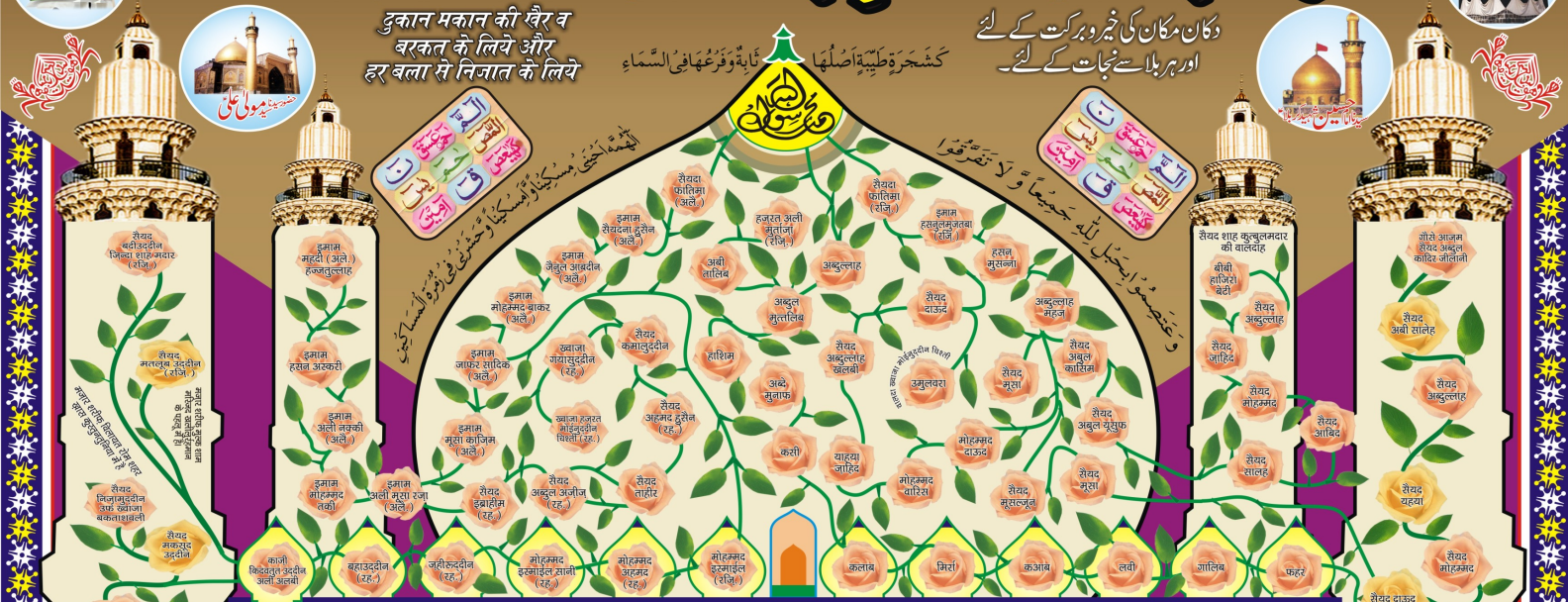
आलमी शजरए मदारियह



दुकान मकान की खैर व
बरकत के लिये और
हर बला से निजात के लिये

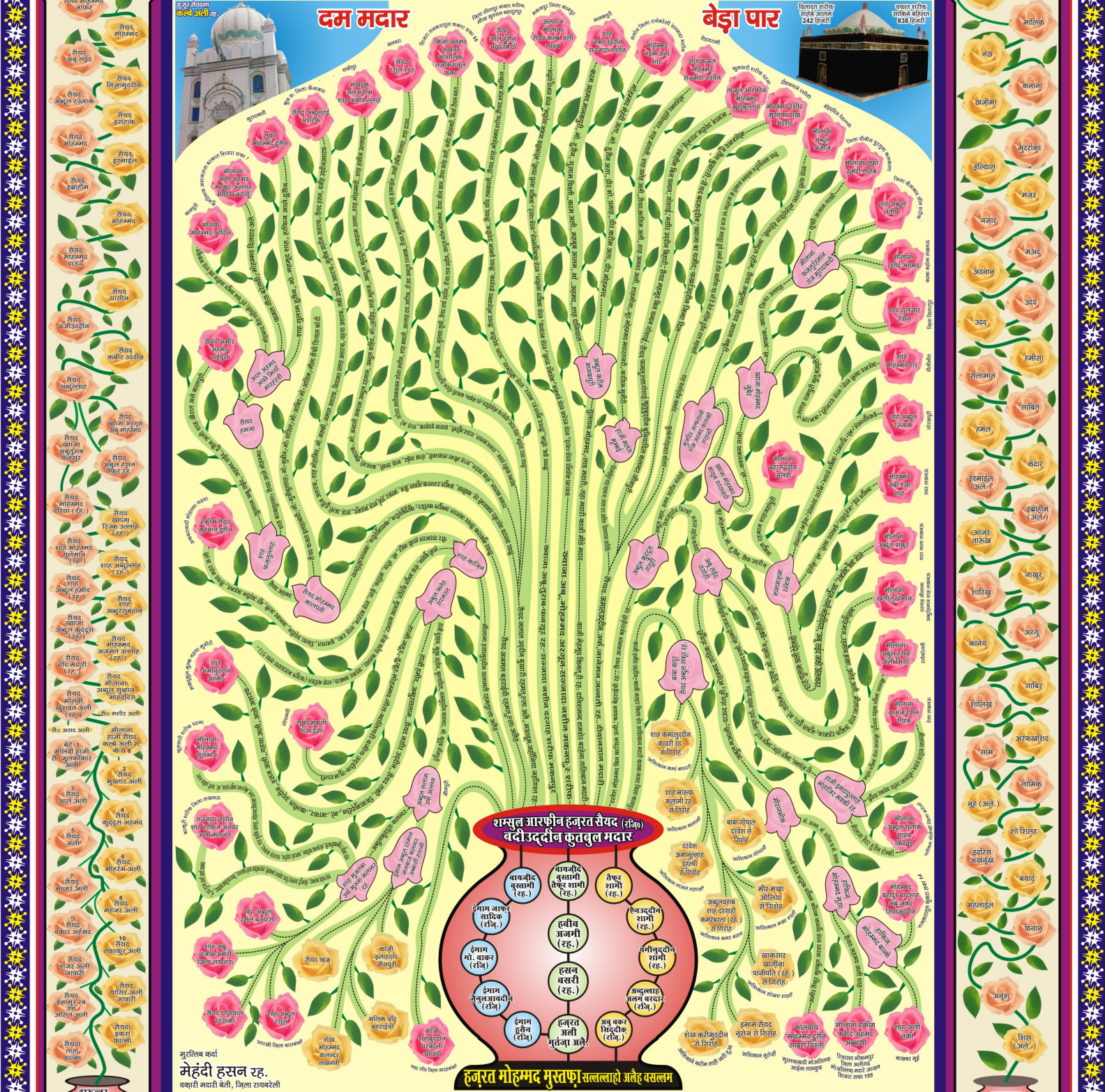
كَشَجَرَةٍ طَيِّبَةٍ أَصْلُهَا ثَابِتٌ وَفَرْعُهَا فِي السَّمَاءِ

دکان مکان کی خیر و برکت کے لئے
اور ہر بلا سے نجات کے لئے۔



દમ મદાર

बेड़ा पार



मुरत्तिब कर्दा
मेहंदी हसन रह.
वकारी मदारी बेती, जिला रायब

हजरत मोहम्मद मस्तफा सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम

नाशिर Ramzushah Valishah Diwan (Dudkha) Distt. Patan (Gujrat)

हदिया 40/-

હજરત આદમ અલૈ.
ઉમ્મુલબશર
બીબી હવ્વા અલૈ.

शहशरीर अतिशया-७-किबार हजरत सैयद बदा उददीन कुतुबुल मदार रिज, सादात हस्की हुस्नी जाफरी दवन मदीना मुबनगर पैदाशह हजल मुक्ये शाम है। आपक एक लाख वीधिर हजार खुल्फा बा वकार हुए एन के मजातर किन्दुस्तान व दीगर मुमालिक है है उन्मे से मुज्जसिर वन्द खुल्फा बावकार मुज्जसिर शिजरे व दीगर हर तालसिल के मुज्जसिर शिजरे के किम्बत निबस्त सिलसिला तबकालिया मदारिज जादवान् शरफ्फ से है है मुह सम्कना बाला है। उन्मे से हजरत जालता सैयद अहमद मसूम अगुल रह, व हजरत जालता सैयद अहमद फरसूर रह, व जालता सैयद अहमद हुस्न तैफूर सज्जदा शहीनिया शिजरे के अन्वला मुज्जसिर है और हर सय जालाना हजरत शहर शामद के मालु की औलाद है है। हजरत शहर शामद के मालु की जाला विलायत अमदतुल्लाह (राबबे आलमे के अदद २४२ कि बोरोसि दौ शाम है) और दीगाना का सुबेदतार रह (राबबे बरिश्तुत के अदद ४३४ है) है। आपा तमाम मसलत के वस्मा मुह मजारी औगि, सज्जदापुत्र औगि, विला कातुल औगि

પીરે તરીકે મુબાલિગે મદારિઅત રહુબે શરીઅત હુજુરત અલ્લામા ફારી **સૈયદ મહજૂર અલી નાફરી વકારી મદારી** 8350 1000 10
 પહલા પુરિશન સન 1961 મેં શાય હૃડાી જલ્લા દરકે બાદક સાબુઆરે વકાફિયા મહફૂજ છે. શિલા હિનાઅત નક્કલ કાને પુ કાનની કાર્યાવાઈ કી જાગીરી.

Al-Madar Offset Kanpur (M) 09616584408